भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2453

दिनांक 10 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

महा जल मिशन का कार्यान्वयन

2453. श्रीमती संगीता यादव:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ)-जल शक्ति मंत्रालय की महा जल मिशन का कार्यान्वयन आरंभ किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मिशन के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाओं तथा प्रौद्योगिकी संघों के चयन, निगरानी तथा मूल्यांकन हेतु स्थापित संस्थागत ढांचा क्या है;

(घ) क्या नवोन्मेषी जल प्रबंधन समाधान विकसित करने में स्टार्टअप, एमएसएमई, शैक्षणिक संस्थानों तथा अनुसंधान संगठनों की भागीदारी सुगम बनाने हेतु कोई उपाय किए गए हैं; और

(ङ) मिशन के अंतर्गत विकसित प्रौद्योगिकियों का सत्यापन, परिनियोजन तथा जल संसाधन प्रबंधन एवं पेयजल कार्यक्रमों में एकीकरण किस प्रकार किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ङ): भारत सरकार की एक सांविधिक निकाय, 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फ़ाउंडेशन' (एएनआरएफ) को एएनआरएफ अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित किया गया है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुसार प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमशीलता और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय इंटरफेस के लिए उच्च-स्तरीय रणनीतिक दिशा प्रदान कर सकें जिससे इसे बढ़ावा मिले, इसकी निगरानी हो सके और आवश्यकता के अनुसार इसके लिए सहायता प्रदान की जा सके। 'मिशन फॉर एडवांसमेंट इन हाई-इम्पैक्ट एरियाज़' (एमएएचए) एएनआरएफ के तहत एक कार्यक्रम है, जो देश की मुख्य आवश्यकताओं के अनुरूप कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मिशन मोड में प्राथमिकता-

केंद्रित और समाधान-आधारित अनुसंधान को सहयोग करता है। यह तत्काल ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक साझेदारी के साथ एक बहु-विषयक, बहु-संस्थागत और बहु-शोधकर्ता परियोजना है।

दिनांक 01.06.2026 को आरंभ किया गया एमएएचए जल कार्यक्रम, एएनआरएफ और जल शक्ति मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है जो जल से संबंधित प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए मिशन-आधारित और समाधान-आधारित अनुसंधान की सहायता करता है। एमएएचए जल कार्यक्रम के पांच मुख्य विषय जल संसाधन का आकलन और सतत् प्रबंधन; पेयजल; जल की गुणवत्ता; मानव और पारिस्थितिक स्वास्थ्य; जल उपयोग दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था; एवं जलवायु रेज़िलियंस और अनुकूलन है।

एएनआरएफ एमएएचए जल कार्यक्रम के तहत, कंसोर्टियम मोड में प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं जिसमें शैक्षणिक, अनुसंधान संस्थानों, डीएसआईआर-एसआईआरओ पंजीकृत अनुसंधान संस्थानों और खंड 8 के तहत पात्र कंपनियों से कई प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर (पीआईएस) एवं संस्थान/प्रयोगशालाएं शामिल हैं। इसमें कम-से-कम एक स्टार्ट-अप/एमएसएमई/उद्योग साझेदार का शामिल होना अनिवार्य है जिसमें उन्हें कुल परियोजना लागत का 10% नगद योगदान देना होगा। इससे जुड़ी सूचना वेबसाइट पर उपलब्ध है:

https://anrfonline.in/ANRF/mahawp_anrf?HomePage=New.

स्टार्ट-अप्स/एमएसएमई की भागीदारी को सुगम बनाने और जल से संबंधित नवीन प्रौद्योगिकियों कों के विकास और कार्यान्वयन की गति बढ़ाने के लिए भारत डब्ल्यूआईएन पोर्टल को संचालित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, जल क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों के समाधान के लिए व्यावहारिक, मापने योग्य और फील्ड में उपयोग के लिए तैयार तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए जल शक्ति हैकाथॉन-2025 का आयोजन किया गया।

जल क्षेत्र में आर एवं डी के परिणामों को राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों, सहयोगी मंत्रालयों और परियोजना को कार्यान्वित करने वाली एजेंसियों जैसे हितधारकों के साथ साझा किया जाता है ताकि वे उपयुक्त तरीकों को अपनाकर उन्हें कार्यान्वित कर सकें।

*****